Rs. In lakhs

Year	Orissa Bhitar-kanika	Madhya Pradesh Ken Ghariyal, WLS	Son Ghariyal, WLS	National Chambal WLS	Rajasthan Chambal WLS	Uttar Pradesh National Chambal WLS	Katerniaghat WLS
91-92	4.30	4.70	0.60	3.10	2.07	9.55	—
VIII Plan							
92-93	4.90	—	—	4.16	—	5.37	—
93-94	9.54	—	2.30	—	0.50	4.07	14.35
94-95	9.50	3.75	—	—	2.05	2.50	17.00
95-96	—	—	—	3.65	1.40	2.30	2.75

Admissions in Kendriya Vidyalayas

3285. SHRI SHIV CHARAN SINGH:
SHRI GOVINDRAM MIRI:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Kendriya Vidyalayas have been refusing admissions to thousands of children of transferable Central Government employees due to paucity of seats;

(b) if so, whether any survey or study has been conducted to ascertain the ratio of those getting admissions to those denied; and

(c) if so, the results thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPTT. OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA) (a) to (c) Demand for admissions in Kendriya Vidyalayas has always been higher than the seats available. However, statistics are not maintained by Kendriya Vidyalaya Sangathan regarding the number of applications registered in each Kendriya Vidyalaya.

कृषि क्षेत्र में विकास की दर

3286. **श्री राम जेठमलानी:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले दशक में देश में कृषि क्षेत्र में विकास दर निरन्तर घटती रही है;

(ख) यदि नहीं, तो क्या देश में वर्ष 1980-81 से 1984-85 तथा वर्ष 1985—86 से 1989-90 की अवधि के दौरान कृषि के विकास की दर क्रमशः 3.4 प्रतिशत और 4.8 प्रतिशत रही, जबकि वर्ष 1990-91 से 1994-95 की अवधि के दौरान यह केवल 2.6 प्रतिशत ही रही;

(ग) यदि नहीं, तो इस संदर्भ में सरकार का आकलन क्या है;

(घ) क्या सरकार ने देश में कृषि विकास की दर में इस प्रकार निरन्तर कमी होने के कारणों की जानकारी प्राप्त की है;

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार ने वर्ष 1995-96 से 1999-2000 की अवधि के लिए कृषि विकास के लक्ष्य क्या तय किये हैं?

कृषि मन्त्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) से (ङ) कृषि, वानिकी और मात्स्यिकी से प्राप्त होने वाले घटक लागत पर सकल घरेलू उत्पाद द्वारा किए गये मूल्यांकन के अनुसार कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर में 1980-81 की कीमतों पर कोई खास गिरावट नहीं देखी गई है। 1990-91 से 1994-95 तक की अवधि के दौरान वृद्धि दर 3,10 प्रतिशत थी। 1980-81 से 1984-85 तथा 1985-86 से 1989-90 की अवधि के दौरान सदृश वृद्धि दरें क्रमशः 5.53 प्रतिशत व 3.18 प्रतिशत थीं। तथापि, यह उल्लेखनीय है कि 1979-90 जो 1980-81 से 1984-85 तक की अवधि का आधार वर्ष था, कृषि के लिए प्रतिकूल वर्ष था।

(च) 1992-93 से 1996-97 तक की अवधि के दौरान कृषि विकास के लिए लक्ष्य 3.1 प्रतिशत प्रतिवर्ष